

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 81]

रायपुर, बुधवार, दिनांक 6 मार्च 2019 — फाल्गुन 15, शक 1940

उच्च शिक्षा विभाग

मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, रायपुर

अटल नगर, दिनांक 21 फरवरी 2019

अधिसूचना

क्रमांक एफ 3-7/2017/38-2 (पार्ट-1).- छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के पत्र क्रमांक 775/पी.यू./07/ओ.एण्ड.एस. / 2015/8033, दिनांक 13-04-2018 द्वारा ओ.पी.जिन्दल विश्वविद्यालय, ओ. पी. जिन्दल नॉलेज पार्क, ग्राम-पूँजीपथरा, तहसील-घरघोड़ा, जिला-रायगढ़ के अनुगामी अध्यादेश क्रमांक 19 से 22 का अनुमोदन छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 29(2) के तहत किया गया है.

- राज्य शासन, एतद्वारा, उपरोक्त अध्यादेशों को राजपत्र में अधिसूचित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है.
- उपरोक्त अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावशील होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुरेन्द्र कुमार जायसवाल, सचिव.

ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

अध्यादेश क्रमांक 19

पी जी डिप्लोमा

1. प्रयोज्यता

- 1.1 विश्वविद्यालय अपने स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एवं स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के माध्यम से, विभाग के विशिष्ट विषयों में इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट संकाय में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रस्तावित करेगा। विषयों का विस्तृत वर्णन निम्नानुसार है :—

| क्र. | स्कूल / विभाग | विषय | अवधि |
|------|----------------------|---|--------|
| 1. | स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग | <ol style="list-style-type: none"> 1. स्टील टेक्नालॉजी 2. पावर प्लांट इंजीनियरिंग एण्ड एनर्जी मैनेजमेंट 3. कैड / कैम 4. इनवायरमेंटल इंजीनियरिंग 5. इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग 6. कम्प्यूटर इंजीनियरिंग एण्ड एप्लीकेशन 7. न्यू एण्ड रिन्यूएबल एनर्जी | 12 माह |
| 2. | स्कूल ऑफ मैनेजमेंट | <ol style="list-style-type: none"> 1. सप्लाई चेल मैनेजमेंट 2. हॉस्पिटालिटी एण्ड टूरिज्म मैनेजमेंट 3. बैंकिंग एण्ड फाइनेंसियल सर्विसेस 4. रिटेल मैनेजमेंट 5. इनफॉर्मेशन टेक्नालॉजी एण्ड मैनेजमेंट 6. बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन 7. बिजनेस एनालिटिक्स 8. इनोवेशन एण्ड इंटरप्रेन्योरशिप 9. फैमिली बिजनेस मैनेजमेंट 10. मार्केटिंग मैनेजमेंट | 21 माह |

- 1.2 पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर पी जी डिप्लोमा उपाधि दी जाएगी।
- 1.3 उपरोक्त पाठ्यक्रम में मुल्यांकन अभ्यर्थी के द्वारा अर्जित ग्रेड व क्रेडिट पर आधारित होगा।
- 1.4 पाठ्यक्रम में सीट की संख्या का निर्धारण विश्वविद्यालय के प्रबंधक मण्डल द्वारा अधिकृत नियामक संस्था के द्वारा जारी मानक के अनुरूप होगा।

2. योग्यता मानदण्ड एवं प्रवेश प्रक्रिया

- 2.1 उपरोक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु इच्छित प्रत्येक आवेदक को राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा समतुल्य पाठ्यक्रम उत्तीर्ण होना चाहिए।
- 2.2 प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश की पात्रता विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिषद् द्वारा निश्चित किया जाएगा। राज्य की आरक्षण नीति लागू होगी।
- 2.3 उपरोक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रत्येक स्थिति में अभ्यर्थी के पात्रता उपाधि या प्रवेश परीक्षा/साक्षात्कार के योग्यता क्रम पर आधारित होगा।
- 2.4 उपरोक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रथम वर्ष के स्तर में शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित मानक अनुसार दिया जाएगा तथा यू.जी.सी. एवं राज्य शासन के दिशा निर्देश का पालन भी किया जाएगा।
- 2.5 अप्रवासी भारतीय (एन.आर.आई.), भारतीय मूल के व्यक्ति और विदेशी राष्ट्रियता वाले व्यक्ति भी पी जी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्र होंगे, परंतु वे स्नातक अथवा समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाएगा।
- 2.6 विश्वविद्यालय, छात्र के असंतोषप्रद शैक्षणिक प्रदर्शन या दुर्यवहार के आधार पर उस पाठ्यक्रम के किसी भी स्तर पर उसके प्रवेश को निरस्त कर उसके अध्ययन को मध्य में ही समाप्त करने का अधिकार आरक्षित रखेगा।

3. पाठ्यक्रम की अवधि

- 3.1 पी जी डिप्लोमा पाठ्यक्रम का कुल अंतराल इंजीनियरिंग विधा में 12 माह एवं मैनेजमेंट विधा में 21 माह का होगा।

- 3.2** संबंधित स्कूल के अधिष्ठाता/ विभागाध्यक्ष द्वारा कुलपति के अनुमोदन से प्रत्येक वर्ष के प्रारंभ में शैक्षणिक कैलेंडर सेमेस्टर अंतराल सहित घोषणा किया जाएगा।
- 3.3** पी जी डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अधिकतम अवधि कोर्स अंतराल का 1.5 गुना होगा।
- 3.4** यदि कोई अभ्यर्थी अपने अध्ययन के किसी चरण में निर्धारित समय पर पाठ्यक्रम पूर्ण न करने की स्थिति में है तब उसे आगे पाठ्यक्रम पूर्ण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- 3.5** सेमेस्टर के प्रारंभ में प्रत्येक छात्र को शैक्षणिक कैलेंडर में निर्धारित समयावधि के अंदर स्वयं को पंजीकृत करना होगा।
- 4. पाठ्यक्रम की संरचना**
समस्त पी जी डिप्लोमा पाठ्यक्रम की संरचना, परीक्षा योजना, पाठ्यक्रम व पाठ्यचर्या शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित होगा।
- 5. परीक्षा**
- 5.1** विश्वविद्यालय अध्ययन कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के प्रदर्शन के अभिनिर्धारण के लिए सेमेस्टर के दौरान एवं इसके अंत में क्रमशः प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) का आयोजन करते हुए सतत मूल्यांकन प्रणाली को अंगीकृत करेगा।
- 5.2** प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) के पाठ्यक्रम के संपूर्ण घटक के लिए विस्तृत परीक्षा योजना शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित किया जाएगा।
- 5.3** निम्नलिखित कारणों से छात्रों को कुलपति के अनुमोदन से पीठ के अधिष्ठाता द्वारा अंत सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने से वंचित किया जा सकता है :-
- 5.3.1** जब छात्र के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही आरंभ की जा चुकी हो।
- 5.3.2** संबंधित विभागाध्यक्ष की अनुशंसा पर यदि -
- (i) व्याख्यान/ट्यूटोरियल/प्रायोगिक कक्षाओं में उपस्थिति 65% से कम अथवा खण्ड 7 के अनुसार सेमेस्टर में उपस्थिति पर।

(ii) सेमेस्टर के दौरान प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) में संतोषजनक प्रदर्शन न होने पर।

5.4 विश्वविद्यालय नियमित छात्रों के लिए प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) आयोजित करेगा। इस परीक्षा में वे छात्र भी सम्मिलित हो सकेंगे जो पूर्व में आयोजित सेमेस्टर परीक्षा में अनुत्तीर्ण या परीक्षा देने से चूक गए हों।

5.5 यदि अभ्यर्थी किसी सेमेस्टर परीक्षा को पूर्णतः उत्तीर्ण कर लेता है तो उसे श्रेणी/अंक/ग्रेड में सुधार या किसी अन्य प्रयोजन के लिए परीक्षा पुनः देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. कार्य का मूल्यांकन (निर्धारण)

6.1 प्रत्येक सेमेस्टर में परीक्षार्थी के प्रदर्शन का मूल्यांकन पाठ्यक्रम के घटकों के अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) एवं प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) द्वारा सतत् मूल्यांकन प्रणाली के अनुपालन में किया जाएगा। पाठ्यक्रम के समग्र/ अंतिम परिणाम (पी.आर.ई. + ई.एस.ई.) में न्यूनतम व अधिकतम अंक शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित परीक्षा योजना के अनुरूप होगा।

6.2 निर्धारित पाठ्यक्रम में अर्ह होने के लिए छात्र को उस पाठ्यक्रम के अंतिम परिणाम में न्यूनतम अंक अर्जित करने होंगे।

6.3 व्याख्यान में (एल) संपर्क का एक घंटा एक क्रेडिट के बराबर होगा, वहीं ट्यूटोरियल (टी)/प्रायोगिक (पी) में संपर्क का दो घण्टा एक क्रेडिट के बराबर होगा। अतः $\text{क्रेडिट} = (\text{एल} + (\text{टी} + \text{पी}) / 2)$ । विषय में क्रेडिट पूर्ण संख्या होगा किन्तु आंशिक संख्या नहीं होगा। यदि किसी विषय में क्रेडिट अपूर्णाक में परिवर्तित हो जाता है तो इसे निकटतम पूर्ण संख्या में परिवर्तित किया जायेगा।

6.4 विद्यार्थी तब ही सेमेस्टर में आबंटित क्रेडिट अर्जित करेगा जब वह उक्त सेमेस्टर उत्तीर्ण करता हो।

6.5 विद्यार्थी पी जी डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए तब ही पात्र होगा जब वह उस पाठ्यक्रम जिसमें उसने प्रवेश लिया हो में आबंटित सभी क्रेडिट अर्जित किया हो।

7. उपस्थिति

किसी भी सेमेस्टर परीक्षा के लिये नियमित विद्यार्थी के रूप में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थी की पाठ्यक्रम के प्रत्येक विषय में पृथक-पृथक आयोजित व्याख्यान एवं प्रायोगिक कक्षाओं में 65 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है, किंतु 5 प्रतिशत एवं अतिरिक्त 5 प्रतिशत उपस्थिति संतोषप्रद कारण होने पर क्रमशः संबंधित पीठ के अधिष्ठाता एवं कुलपति द्वारा क्षमा की जा सकती है। तथापि, किसी शर्त के तहत अभ्यर्थी जिसकी सेमेस्टर में 55 प्रतिशत से कम की कुल उपस्थिति या वह प्रतिशत जैसा कि शैक्षणिक परिषद् द्वारा विनिश्चित किया जाये, को अंत सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति दी जायेगी।

8. उच्च सेमेस्टर में पदोन्नति

विद्यार्थी पूर्ववर्ती सेमेस्टर के सैद्धांतिक/प्रायोगिक विषय में बैकलॉग के साथ अगले सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है, परंतु यह खंड 3 के कंडिका 3.3 से निर्धारित होगा।

9. क्रेडिट आधारित ग्रेडिंग पद्धति

9.1 क्रेडिट के अंतर्गत प्रत्येक पाठ्यक्रम व उसके अधिभार पाठ्यक्रम, शैक्षणिक नीति समिति द्वारा अनुशंसित अनुसार होंगे एवं वे शैक्षणिक परिषद एवं शासी निकाय द्वारा अनुमोदित किये जायेंगे। केवल अनुमोदित पाठ्यक्रम की पेशकश किसी सेमेस्टर के दौरान की जा सकेगी।

9.2 पाठ्यक्रम के लिये पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को लेटर ग्रेड दिया जायेगा। विद्यार्थी को दिया गया ग्रेड अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) एवं प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) में उसके संयुक्त प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

10. शुल्क

पाठ्यक्रम के शुल्क का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा, जो कि छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग द्वारा समय-समय पर अनुमोदित होगा।

ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

अध्यादेश क्रमांक 20

बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड.)

1. प्रयोज्यता

- 1.1 यह अध्यादेश शिक्षा में स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्रों पर लागू होगा। शिक्षा में स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विश्वविद्यालय द्वारा बी.एड. की उपाधि प्रदान की जाएगी।
- 1.2 उपरोक्त पाठ्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.)/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(यू.जी.सी.)/राज्य सरकार द्वारा समय समय पर संशोधित मापदंड और मानक के अनुरूप होगा।
- 1.3 उपरोक्त पाठ्यक्रम द्विवर्षीय उपाधि पाठ्यक्रम होगा जो कि चार सेमेस्टर में विभाजित होगी। प्रत्येक सेमेस्टर लगभग छः माह अवधि का होगा जिसमें अवकाश/प्रारंभिक अवकाश/परीक्षा, उद्योग प्रशिक्षण शामिल रहेगा।
- 1.4 पाठ्यक्रम में सीट की संख्या का निर्धारण विश्वविद्यालय के प्रबंधक मण्डल द्वारा अधिकृत नियामक संस्था के द्वारा जारी मानक के अनुरूप होगा।

2. योग्यता मानदण्ड एवं प्रवेश प्रक्रिया

अधिकृत नियामक/ वैधानिक संस्था के निर्देशानुसार पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता निम्नांकित होगी :

- 2.1 बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रत्येक आवेदक को एन.सी.टी.ई. के मानक के अनुरूप स्नातक उपाधि अथवा समतुल्य पाठ्यक्रम उत्तीर्ण होना चाहिए।
- 2.2 बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश शैक्षणिक परिषद् द्वारा तय किए गए नियम व शर्तों एवं संगत वैधानिक निकाय के द्वारा तय मानदण्ड से शासित होगा। राज्य की आरक्षण नीति लागू होगी।

- 2.3** बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रथम वर्ष के स्तर में शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित मानक अनुसार दिया जाएगा। शैक्षणिक वर्ष प्रारंभ होने के पूर्व विश्वविद्यालय समाचार पत्रों/ विश्वविद्यालय वेबसाइट/ विश्वविद्यालय सूचना पट्ट में सूचना प्रकाशित करेगा। प्रवेश मेरिट के आधार पर दिया जाएगा।
- 2.4** अप्रवासी भारतीय (एन.आर.आई.), भारतीय मूल के व्यक्ति और विदेशी राष्ट्रियता वाले व्यक्ति भी बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्र होंगे, परंतु वे स्नातक उपाधि अथवा समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाएगा।
- 2.5** विश्वविद्यालय, अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों से स्थानांतरण पर बी.एड. पाठ्यक्रम के विद्यार्थी को अनुमति दे सकेगा। ऐसा प्रवेश पाठ्यक्रम के संबंध में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूर्ण करने के अधीन किसी भी स्तर में दी जा सकेगी, परंतु यह कि, इस योजना के अधीन प्रथम वर्ष के दौरान विद्यार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 2.6** विश्वविद्यालय, छात्र के असंतोषप्रद शैक्षणिक प्रदर्शन या दुर्व्यवहार के आधार पर उस पाठ्यक्रम के किसी भी स्तर पर उसके प्रवेश को निरस्त कर उसके अध्ययन को मध्य में ही समाप्त करने का अधिकार आरक्षित रखेगा।
- 3. पाठ्यक्रम की अवधि एवं चालन**
- 3.1** पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष की होगी जो कि चार समान सेमेस्टर में विभाजित होगी।
- 3.2** अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ द्वारा कुलपति के अनुमोदन से प्रत्येक वर्ष के प्रारंभ में शैक्षणिक कैलेंडर सेमेस्टर अंतराल सहित घोषणा किया जाएगा।
- 3.3** पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की अधिकतम अवधि तीन वर्ष की होगी। तथापि कुलपति कुछ विशेष परिस्थितियों में एक वर्ष का विस्तार कर सकते हैं, जो कि संतोषजनक कारण में एक वर्ष से अधिक नहीं होगा।
- 4. पाठ्यक्रम की संरचना**
- पाठ्यक्रम के विभिन्न सेमेस्टर में अध्ययन कार्यक्रम, अध्ययन बोर्ड एवं शैक्षणिक परिषद् के योजना व मानदंड के अनुसार होगी।

5. परीक्षा

- 5.1** विश्वविद्यालय अध्ययन कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के प्रदर्शन के अभिनिर्धारण के लिए सेमेस्टर के दौरान एवं इसके अंत में क्रमशः प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) का आयोजन करते हुए सतत् मूल्यांकन प्रणाली को अंगीकृत करेगा।
- 5.2** प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) के पाठ्यक्रम के संपूर्ण घटक के लिए विस्तृत परीक्षा योजना शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित किया जाएगा।
- 5.3** निम्नलिखित कारणों से छात्रों को कुलपति के अनुमोदन से पीठ के अधिष्ठाता द्वारा अंत सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने से वंचित किया जा सकता है :-
- 5.3.1** जब छात्र के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही आरंभ की जा चुकी हो।
- 5.3.2** संबंधित विभागाध्यक्ष की अनुशंसा पर यदि -
- (i) व्याख्यान/ट्यूटोरियल/प्रायोगिक कक्षाओं में उपस्थिति 65% से कम अथवा खण्ड 7 के अनुसार सेमेस्टर में उपस्थिति पर।
 - (ii) सेमेस्टर के दौरान प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) में संतोषजनक प्रदर्शन न होने पर।
- 5.4** विश्वविद्यालय नियमित छात्रों के लिए प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) आयोजित करेगा। इस परीक्षा में वे छात्र भी सम्मिलित हो सकेंगे जो पूर्व में आयोजित सेमेस्टर परीक्षा में अनुत्तीर्ण या परीक्षा देने से चूक गए हों।
- 5.5** यदि अभ्यर्थी किसी सेमेस्टर परीक्षा को पूर्णतः उत्तीर्ण कर लेता है तो उसे श्रेणी/अंक/ग्रेड में सुधार या किसी अन्य प्रयोजन के लिए परीक्षा पुनः देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. कार्य का मूल्यांकन (निर्धारण)

- 6.1** प्रत्येक सेमेस्टर में परीक्षार्थी के प्रदर्शन का मूल्यांकन पाठ्यक्रम के घटकों के अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) एवं प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) द्वारा सतत् मूल्यांकन

प्रणाली के अनुपालन में किया जाएगा। पाठ्यक्रम के समग्र/ अंतिम परिणाम (पी.आर.ई. + ई.एस.ई.) में न्यूनतम व अधिकतम अंक शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित परीक्षा योजना के अनुरूप होगा।

6.2 निर्धारित पाठ्यक्रम में अर्ह होने के लिए छात्र को उस पाठ्यक्रम के अंतिम परिणाम में न्यूनतम अंक अर्जित करने होंगे।

6.3 व्याख्यान में (एल) संपर्क का एक घंटा एक क्रेडिट के बराबर होगा, वहीं ट्यूटोरियल (टी)/प्रायोगिक (पी) में संपर्क का दो घण्टा एक क्रेडिट के बराबर होगा। अतः $\text{क्रेडिट} = (\text{एल} + (\text{टी} + \text{पी}) / 2)$ । विषय में क्रेडिट पूर्ण संख्या होगा किन्तु आंशिक संख्या नहीं होगा। यदि किसी विषय में क्रेडिट अपूर्णाक में परिवर्तित हो जाता है तो इसे निकटतम पूर्ण संख्या में परिवर्तित किया जायेगा।

6.4 विद्यार्थी तब ही सेमेस्टर में आबंटित क्रेडिट अर्जित करेगा जब वह उक्त सेमेस्टर उत्तीर्ण करता हो।

6.5 विद्यार्थी बी.एड. की उपाधि प्राप्त करने के लिए तब ही पात्र होगा जब वह उस पाठ्यक्रम जिसमें उसने प्रवेश लिया हो में आबंटित सभी क्रेडिट अर्जित किया हो।

7. उपस्थिति

किसी भी सेमेस्टर परीक्षा के लिये नियमित विद्यार्थी के रूप में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थी की पाठ्यक्रम के प्रत्येक विषय में पृथक-पृथक आयोजित व्याख्यान एवं प्रायोगिक कक्षाओं में 65 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है, किंतु 5 प्रतिशत एवं अतिरिक्त 5 प्रतिशत उपस्थिति संतोषप्रद कारण होने पर क्रमशः संबंधित पीठ के अधिष्ठाता एवं कुलपति द्वारा क्षमा की जा सकती है। तथापि, किसी शर्त के तहत अभ्यर्थी जिसकी सेमेस्टर में 55 प्रतिशत से कम की कुल उपस्थिति या वह प्रतिशत जैसा कि शैक्षणिक परिषद् द्वारा विनिश्चित किया जाये, को अंत सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति दी जायेगी।

8. उच्च सेमेस्टर में पदोन्नति

विद्यार्थी पूर्ववर्ती सेमेस्टर के सैद्धांतिक/प्रायोगिक विषय में बैकलॉग के साथ अगले सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है ।

9. क्रेडिट आधारित ग्रेडिंग पद्धति

9.1 क्रेडिट के अंतर्गत प्रत्येक पाठ्यक्रम व उसके अधिभार पाठ्यक्रम, शैक्षणिक नीति समिति द्वारा अनुशंसित अनुसार होंगे एवं वे शैक्षणिक परिषद एवं शासी निकाय द्वारा अनुमोदित किये जायेंगे। केवल अनुमोदित पाठ्यक्रम की पेशकश किसी सेमेस्टर के दौरान की जा सकेगी।

9.2 पाठ्यक्रम के लिये पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को लेटर ग्रेड दिया जायेगा। विद्यार्थी को दिया गया ग्रेड अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) एवं प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) में उसके संयुक्त प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

10. शुल्क

पाठ्यक्रम के शुल्क का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा, जो कि छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग द्वारा समय-समय पर अनुमोदित होगा।

ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

अध्यादेश क्रमांक 21

मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.)

1. प्रयोज्यता

- 1.1 यह अध्यादेश शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्रों पर लागू होगा। शिक्षा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.) की उपाधि प्रदान की जाएगी।
- 1.2 उपरोक्त पाठ्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.)/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.)/छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा समय-समय पर जारी मापदंड और मानक के अनुरूप होगा।
- 1.3 उपरोक्त पाठ्यक्रम द्विवर्षीय उपाधि पाठ्यक्रम होगा जो कि चार सेमेस्टर में विभाजित होगी। प्रत्येक सेमेस्टर लगभग छः माह अवधि का होगा जिसमें अवकाश/प्रारंभिक अवकाश/परीक्षा, उद्योग प्रशिक्षण शामिल रहेगा।
- 1.4 पाठ्यक्रम में सीट की संख्या का निर्धारण विश्वविद्यालय के प्रबंधक मण्डल द्वारा अधिकृत नियामक संस्था के द्वारा जारी मानक के अनुरूप होगा।

2. योग्यता मानदण्ड एवं प्रवेश प्रक्रिया

अधिकृत नियामक/वैधानिक संस्था के निर्देशानुसार पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता निम्नांकित होगी :

- 2.1 एम.एड. प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु योग्यता एन.सी.टी.ई. के न्यूनतम अंक मानक के अनुरूप बी.एड./बी.ए., बी.एड./बी.एस.सी., बी.एड./बी.एल.एड. के साथ स्नातक उपाधि होना चाहिए।

- 2.2** एम.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश शैक्षणिक परिषद् द्वारा तय किए गए नियम व शर्तों एवं संगत वैधानिक निकाय के द्वारा तय मानदण्ड से शासित होगा। राज्य की आरक्षण नीति लागू होगी।
- 2.3** एम.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रथम वर्ष के स्तर में शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित मानक अनुसार दिया जाएगा। शैक्षणिक वर्ष प्रारंभ होने के पूर्व विश्वविद्यालय समाचार पत्रों/ विश्वविद्यालय वेबसाइट/ विश्वविद्यालय सूचना पट्ट में सूचना प्रकाशित करेगा। प्रवेश मेरिट के आधार पर दिया जाएगा।
- 2.4** अप्रवासी भारतीय (एन.आर.आई.), भारतीय मूल के व्यक्ति और विदेशी राष्ट्रियता वाले व्यक्ति भी एम.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्र होंगे, परंतु वे बी.एड. उपाधि अथवा समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाएगा।
- 2.5** विश्वविद्यालय, अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों से स्थानांतरण पर एम.एड. पाठ्यक्रम के विद्यार्थी को अनुमति दे सकेगा। ऐसा प्रवेश पाठ्यक्रम के संबंध में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूर्ण करने के अधीन किसी भी स्तर में दी जा सकेगी, परंतु यह कि, इस योजना के अधीन प्रथम वर्ष के दौरान विद्यार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 2.6** विश्वविद्यालय, छात्र के असंतोषप्रद शैक्षणिक प्रदर्शन या दुर्व्यवहार के आधार पर उस पाठ्यक्रम के किसी भी स्तर पर उसके प्रवेश को निरस्त कर उसके अध्ययन को मध्य में ही समाप्त करने का अधिकार आरक्षित रखेगा।
- 3. पाठ्यक्रम की अवधि एवं चालन**
- 3.1** पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष की होगी जो कि चार समान सेमेस्टर में विभाजित होगी।
- 3.2** अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ द्वारा कुलपति के अनुमोदन से प्रत्येक वर्ष के प्रारंभ में शैक्षणिक कैलेंडर सेमेस्टर अंतराल सहित घोषणा किया जाएगा।
- 3.3** पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की अधिकतम अवधि तीन वर्ष की होगी। तथापि कुलपति कुछ विशेष परिस्थितियों में एक वर्ष का विस्तार कर सकते हैं, जो कि संतोषजनक कारण में एक वर्ष से अधिक नहीं होगा।

4. पाठ्यक्रम की संरचना

पाठ्यक्रम के विभिन्न सेमेस्टर में अध्ययन कार्यक्रम, विश्वविद्यालय अध्ययन बोर्ड एवं शैक्षणिक परिषद् के योजना व मानदंड के अनुसार होगी।

5. परीक्षा

5.1 विश्वविद्यालय अध्ययन कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के प्रदर्शन के अभिनिर्धारण के लिए सेमेस्टर के दौरान एवं इसके अंत में क्रमशः प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) का आयोजन करते हुए सतत मूल्यांकन प्रणाली को अंगीकृत करेगा।

5.2 प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) के पाठ्यक्रम के संपूर्ण घटक के लिए विस्तृत परीक्षा योजना शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

5.3 निम्नलिखित कारणों से छात्रों को कुलपति के अनुमोदन से पीठ के अधिष्ठाता द्वारा अंत सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने से वंचित किया जा सकता है :-

5.3.1 जब छात्र के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही आरंभ की जा चुकी हो।

5.3.2 संबंधित विभागाध्यक्ष की अनुशंसा पर यदि -

(i) व्याख्यान/ट्यूटोरियल/प्रायोगिक कक्षाओं में उपस्थिति 65% से कम अथवा खण्ड 7 के अनुसार सेमेस्टर में उपस्थिति पर।

(ii) सेमेस्टर के दौरान प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) में संतोषजनक प्रदर्शन न होने पर।

5.4 विश्वविद्यालय नियमित छात्रों के लिए प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) आयोजित करेगा। इस परीक्षा में वे छात्र भी सम्मिलित हो सकेंगे जो पूर्व में आयोजित सेमेस्टर परीक्षा में अनुत्तीर्ण या परीक्षा देने से चूक गए हों।

5.5 यदि अभ्यर्थी किसी सेमेस्टर परीक्षा को पूर्णतः उत्तीर्ण कर लेता है तो उसे श्रेणी/अंक/ग्रेड में सुधार या किसी अन्य प्रयोजन के लिए परीक्षा पुनः देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. कार्य का मूल्यांकन (निर्धारण)

- 6.1 प्रत्येक सेमेस्टर में परीक्षार्थी के प्रदर्शन का मूल्यांकन पाठ्यक्रम के घटकों के अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) एवं प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) द्वारा सतत् मूल्यांकन प्रणाली के अनुपालन में किया जाएगा। पाठ्यक्रम के समग्र/ अंतिम परिणाम (पी.आर.ई. + ई.एस.ई.) में न्यूनतम व अधिकतम अंक शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित परीक्षा योजना के अनुरूप होगा।
- 6.2 निर्धारित पाठ्यक्रम में अर्ह होने के लिए छात्र को उस पाठ्यक्रम के अंतिम परिणाम में न्यूनतम अंक अर्जित करने होंगे।
- 6.3 व्याख्यान में (एल) संपर्क का एक घंटा एक क्रेडिट के बराबर होगा, वहीं ट्यूटोरियल (टी)/प्रायोगिक (पी) में संपर्क का दो घण्टा एक क्रेडिट के बराबर होगा। अतः $\text{क्रेडिट} = (\text{एल} + (\text{टी} + \text{पी}) / 2)$ । विषय में क्रेडिट पूर्ण संख्या होगा किन्तु आंशिक संख्या नहीं होगा। यदि किसी विषय में क्रेडिट अपूर्णाक में परिवर्तित हो जाता है तो इसे निकटतम पूर्ण संख्या में परिवर्तित किया जायेगा।
- 6.4 विद्यार्थी तब ही सेमेस्टर में आबंटित क्रेडिट अर्जित करेगा जब वह उक्त सेमेस्टर उत्तीर्ण करता हो।
- 6.5 विद्यार्थी एम.एड. की उपाधि प्राप्त करने के लिए तब ही पात्र होगा जब वह उस पाठ्यक्रम जिसमें उसने प्रवेश लिया हो में आबंटित सभी क्रेडिट अर्जित किया हो।

7. उपस्थिति

किसी भी सेमेस्टर परीक्षा के लिये नियमित विद्यार्थी के रूप में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थी की पाठ्यक्रम के प्रत्येक विषय में पृथक-पृथक आयोजित व्याख्यान एवं प्रायोगिक कक्षाओं में 65 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है, किंतु 5 प्रतिशत एवं अतिरिक्त 5 प्रतिशत उपस्थिति संतोषप्रद कारण होने पर क्रमशः संबंधित पीठ के अधिष्ठाता एवं कुलपति द्वारा क्षमा की जा सकती है। तथापि, किसी शर्त के तहत अभ्यर्थी जिसकी सेमेस्टर में 55 प्रतिशत से कम की कुल उपस्थिति या वह प्रतिशत जैसा कि शैक्षणिक परिषद् द्वारा विनिश्चित किया जाये, को अंत सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति दी जायेगी।

8. उच्च सेमेस्टर में पदोन्नति

विद्यार्थी पूर्ववर्ती सेमेस्टर के सैद्धांतिक/प्रायोगिक विषय में बैकलॉग के साथ अगले सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है ।

9. क्रेडिट आधारित ग्रेडिंग पद्धति

9.1 क्रेडिट के अंतर्गत प्रत्येक पाठ्यक्रम व उसके अधिभार पाठ्यक्रम, शैक्षणिक नीति समिति द्वारा अनुशंसित अनुसार होंगे एवं वे शैक्षणिक परिषद एवं शासी निकाय द्वारा अनुमोदित किये जायेंगे। केवल अनुमोदित पाठ्यक्रम की पेशकश किसी सेमेस्टर के दौरान की जा सकेगी।

9.2 पाठ्यक्रम के लिये पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को लेटर ग्रेड दिया जायेगा। विद्यार्थी को दिया गया ग्रेड अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) एवं प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) में उसके संयुक्त प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

10. शुल्क

पाठ्यक्रम के शुल्क का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा, जो कि छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग द्वारा समय-समय पर अनुमोदित होगा।

ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

अध्यादेश क्रमांक 22

डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग

1. प्रयोज्यता

- 1.1 यह अध्यादेश इंजीनियरिंग/टेक्नालॉजी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त अभ्यर्थियों पर लागू होगा। पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के समस्त विभागों से संलग्न शाखाओं को शामिल किया जाएगा। विभागों के साथ विषयों का वर्णन निम्नांकित है:-

| क्र. | विभाग | विषय |
|------|----------------------------------|---|
| 1. | मेकेनिकल इंजीनियरिंग | 1. मेकेनिकल इंजीनियरिंग 2. ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग 3. एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग 4. एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग |
| 2. | सिविल इंजीनियरिंग | 1. सिविल इंजीनियरिंग 2. इनवायरमेंटल इंजीनियरिंग |
| 3. | इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग | 1. इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग |
| 4. | माइनिंग इंजीनियरिंग | 1. माइनिंग इंजीनियरिंग |
| 5. | मेटलर्जीकल इंजीनियरिंग | 1. मेटलर्जीकल इंजीनियरिंग |
| 6. | कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग | 1. कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग 2. कम्प्यूटर इंजीनियरिंग एण्ड एप्लीकेशन 3. क्लॉउड टेक्नालॉजी एण्ड इंफार्मेशन सिक्युरिटीज़ |

- 1.2 उपरोक्त पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (ए.आई.सी.टी.ई.) / विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा समय-समय पर जारी संशोधित मानक के अनुरूप होगा।

1.3 उपरोक्त पाठ्यक्रम त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम होगा जो कि छः सेमेस्टर में विभाजित होगी। प्रत्येक सेमेस्टर लगभग छः माह अवधि का होगा जिसमें अवकाश/प्रारंभिक अवकाश/परीक्षा, उद्योग प्रशिक्षण शामिल रहेगा।

1.4 पाठ्यक्रम में सीट की संख्या का निर्धारण विश्वविद्यालय के प्रबंधक मण्डल द्वारा अधिकृत नियामक संस्था के द्वारा जारी मानक के अनुरूप होगा।

2. योग्यता मानदण्ड एवं प्रवेश प्रक्रिया

अधिकृत नियामक/वैधानिक संस्था के निर्देशानुसार पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता निम्नांकित होगी :

2.1 इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रत्येक आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण होना चाहिए।

2.2 अभ्यर्थी जो किसी प्रासंगिक शाखा में आई.टी.आई. और समतुल्य योग्यता रखते हैं, तृतीय सेमेस्टर में उसी शाखा के डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्र होंगे।

2.3 इंजीनियरिंग/तकनीकी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश शैक्षणिक परिषद् द्वारा तय किए गए नियम व शर्तों एवं संगत वैधानिक निकाय के द्वारा तय मानदण्ड से शासित होगा। राज्य की आरक्षण नीति लागू होगी।

2.4 इंजीनियरिंग/तकनीकी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रथम वर्ष के स्तर में शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित मानक अनुसार दिया जाएगा। शैक्षणिक वर्ष प्रारंभ होने के पूर्व विश्वविद्यालय समाचार पत्रों/विश्वविद्यालय वेबसाइट/विश्वविद्यालय सूचना पट्ट में सूचना प्रकाशित करेगा। विश्वविद्यालय स्वयं का प्रवेश परीक्षा आयोजित कर सकता है। छात्र विश्वविद्यालय में सीधे प्रवेश हेतु भी पात्र होंगे। प्रवेश मेरिट के आधार पर दिया जाएगा।

2.5 अप्रवासी भारतीय (एन.आर.आई.), भारतीय मूल के व्यक्ति और विदेशी राष्ट्रियता वाले व्यक्ति भी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्र होंगे, परंतु वे 10वीं अथवा समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाएगा।

- 2.6** विश्वविद्यालय, अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों से स्थानांतरण पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थी को अनुमति दे सकेगा। ऐसा प्रवेश पाठ्यक्रम के संबंध में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूर्ण करने के अधीन किसी भी स्तर में दी जा सकेगी, परंतु यह कि, इस योजना के अधीन प्रथम वर्ष के दौरान विद्यार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 2.7** विश्वविद्यालय, छात्र के असंतोषप्रद शैक्षणिक प्रदर्शन या दुर्यवहार के आधार पर उस पाठ्यक्रम के किसी भी स्तर पर उसके प्रवेश को निरस्त कर उसके अध्ययन को मध्य में ही समाप्त करने का अधिकार आरक्षित रखेगा।
- 3. पाठ्यक्रम की अवधि एवं चालन**
- 3.1** पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष की होगी जो कि छः समान सेमेस्टर में विभाजित होगी।
- 3.2** स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के अधिष्ठाता/ विभागाध्यक्ष द्वारा कुलपति के अनुमोदन से प्रत्येक वर्ष के प्रारंभ में शैक्षणिक कैलेंडर सेमेस्टर अंतराल सहित घोषणा किया जाएगा।
- 3.3** पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की अधिकतम अवधि 05 वर्ष की होगी। तथापि कुलपति कुछ विशेष परिस्थितियों में एक वर्ष का विस्तार कर सकते हैं, जो कि संतोषजनक कारण में एक वर्ष से अधिक नहीं होगा।
- 4. पाठ्यक्रम की संरचना**
- पाठ्यक्रम के विभिन्न सेमेस्टर में अध्ययन कार्यक्रम, विश्वविद्यालय अध्ययन बोर्ड एवं शैक्षणिक परिषद् के योजना व मानदंड के अनुसार होगी।
- 5. परीक्षा**
- 5.1** विश्वविद्यालय अध्ययन कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के प्रदर्शन के अभिनिर्धारण के लिए सेमेस्टर के दौरान एवं इसके अंत में क्रमशः प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) का आयोजन करते हुए सतत मूल्यांकन प्रणाली को अंगीकृत करेगा।

- 5.2** प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) के पाठ्यक्रम के संपूर्ण घटक के लिए विस्तृत परीक्षा योजना शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित किया जाएगा।
- 5.3** निम्नलिखित कारणों से छात्रों को कुलपति के अनुमोदन से पीठ के अधिष्ठाता द्वारा अंत सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने से वंचित किया जा सकता है :-
- 5.3.1** जब छात्र के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही आरंभ की जा चुकी हो।
- 5.3.2** संबंधित विभागाध्यक्ष की अनुशंसा पर यदि -
- (i) व्याख्यान/ट्यूटोरियल/प्रायोगिक कक्षाओं में उपस्थिति 65% से कम अथवा खण्ड 7 के अनुसार सेमेस्टर में उपस्थिति पर।
 - (ii) सेमेस्टर के दौरान प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) में संतोषजनक प्रदर्शन न होने पर।
- 5.4** विश्वविद्यालय नियमित छात्रों के लिए प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) आयोजित करेगा। इस परीक्षा में वे छात्र भी सम्मिलित हो सकेंगे जो पूर्व में आयोजित सेमेस्टर परीक्षा में अनुत्तीर्ण या परीक्षा देने से चूक गए हों।
- 5.5** यदि अभ्यर्थी किसी सेमेस्टर परीक्षा को पूर्णतः उत्तीर्ण कर लेता है तो उसे श्रेणी/अंक/ग्रेड में सुधार या किसी अन्य प्रयोजन के लिए परीक्षा पुनः देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- 6. कार्य का मूल्यांकन (निर्धारण)**
- 6.1** प्रत्येक सेमेस्टर में परीक्षार्थी के प्रदर्शन का मूल्यांकन पाठ्यक्रम के घटकों के अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) एवं प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) द्वारा सतत मूल्यांकन प्रणाली के अनुपालन में किया जाएगा। पाठ्यक्रम के समग्र/ अंतिम परिणाम (पी.आर.ई. + ई.एस.ई.) में न्यूनतम व अधिकतम अंक शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित परीक्षा योजना के अनुरूप होगा।
- 6.2** निर्धारित पाठ्यक्रम में अर्ह होने के लिए छात्र को उस पाठ्यक्रम के अंतिम परिणाम में न्यूनतम अंक अर्जित करने होंगे।

- 6.3** व्याख्यान में (एल) संपर्क का एक घंटा एक क्रेडिट के बराबर होगा, वहीं ट्यूटोरियल (टी)/प्रायोगिक (पी) में संपर्क का दो घण्टा एक क्रेडिट के बराबर होगा। अतः क्रेडिट = $(\text{एल} + (\text{टी} + \text{पी}) / 2)$ । विषय में क्रेडिट पूर्ण संख्या होगा किन्तु आंशिक संख्या नहीं होगा। यदि किसी विषय में क्रेडिट अपूर्णाक में परिवर्तित हो जाता है तो इसे निकटतम पूर्ण संख्या में परिवर्तित किया जायेगा।
- 6.4** विद्यार्थी तब ही सेमेस्टर में आबंटित क्रेडिट अर्जित करेगा जब वह उक्त सेमेस्टर उत्तीर्ण करता हो।
- 6.5** विद्यार्थी डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए तब ही पात्र होगा जब वह उस पाठ्यक्रम जिसमें उसने प्रवेश लिया हो में आबंटित सभी क्रेडिट अर्जित किया हो।

7. उपस्थिति

किसी भी सेमेस्टर परीक्षा के लिये नियमित विद्यार्थी के रूप में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थी की पाठ्यक्रम के प्रत्येक विषय में पृथक-पृथक आयोजित व्याख्यान एवं प्रायोगिक कक्षाओं में 65 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है, किन्तु 5 प्रतिशत एवं अतिरिक्त 5 प्रतिशत उपस्थिति संतोषप्रद कारण होने पर क्रमशः संबंधित पीठ के अधिष्ठाता एवं कुलपति द्वारा क्षमा की जा सकती है। तथापि, किसी शर्त के तहत अभ्यर्थी जिसकी सेमेस्टर में 55 प्रतिशत से कम की कुल उपस्थिति या वह प्रतिशत जैसा कि शैक्षणिक परिषद् द्वारा विनिश्चित किया जाये, को अंत सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति दी जायेगी।

8. उच्च सेमेस्टर में पदोन्नति

विद्यार्थी पूर्ववर्ती सेमेस्टर के सैद्धांतिक/प्रायोगिक विषय में बैकलॉग के साथ अगले सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है, परंतु यह खंड 3 के कंडिका 3.3 से निर्धारित होगा।

9. क्रेडिट आधारित ग्रेडिंग पद्धति

- 9.1** क्रेडिट के अंतर्गत प्रत्येक पाठ्यक्रम व उसके अधिभार पाठ्यक्रम, शैक्षणिक नीति समिति द्वारा अनुशंसित अनुसार होंगे एवं वे शैक्षणिक परिषद एवं शासी निकाय द्वारा अनुमोदित किये जायेंगे। केवल अनुमोदित पाठ्यक्रम की पेशकश किसी सेमेस्टर के दौरान की जा सकेगी।

9.2 पाठ्यक्रम के लिये पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को लेटर ग्रेड दिया जायेगा। विद्यार्थी को दिया गया ग्रेड अंत सेमेस्टर परीक्षा (ई.एस.ई.) एवं प्रगति समीक्षा परीक्षा (पी.आर.ई.) में उसके संयुक्त प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

10. शुल्क

पाठ्यक्रम के शुल्क का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा, जो कि छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग द्वारा समय-समय पर अनुमोदित होगा।

Atal Nagar, the 21st February 2019

NOTIFICATION

No. F 3-7/2017/38-2 (Part-1).- Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur vide its Letter No. 775/PU/07/O&S/2015/8033, Dated 13-04-2018 has approved the New Ordinances No. 19 to 22 of O.P. Jindal University, O.P. Jindal Knowledge Park, Village-Punjipathara, Tehsil-Gharghoda, District-Raigarh, Under Section 29(2) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment & Operation) Act, 2005.

2. The State Government hereby gives its approval for notification of these Ordinances in Official Gazette.
3. The above Ordinances shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
SURENDRA KUMAR JAISWAL, Secretary.

O P JINDAL UNIVERSITY, RAIGARH (C. G.)

ORDINANCE NO.19

PG DIPLOMA

1. APPLICABILITY

- 1.1 The University shall offer Post Graduate Diploma courses in engineering and management discipline in the specific subject of the department through its School of Engineering and School of Management. The details of subjects are furnished below:

| S.No. | School /Department | Subjects | Duration |
|-------|-----------------------|--|-----------|
| 1. | School of Engineering | 1. Steel Technology 2. Power Plant Engineering & Energy Management 3. CAD/CAM 4. Environmental Engineering 5. Industrial Engineering 6. Computer Engineering and Application 7. New and Renewable Energy | 12 Months |
| 2. | School of Management | 1. Supply Chain Management 2. Hospitality and Tourism Management 3. Banking and Financial Services 4. Retail Management 5. Information Technology and Management 6. Business Administration 7. Business Analytics 8. Innovation and Entrepreneurship 9. Family Business Management 10. Marketing Management | 21 months |

- 1.2 The P G Diploma shall be awarded after the successful completion of the course.

- 1.3 The evaluation shall be based on the basis of grades and credits earned by the candidate in the said course.
- 1.4 Number of seats in each course shall be decided by the Board of Management as per the norms laid down by the concerned regulatory body.

2. ELIGIBILITY CRITERIA AND ADMISSION PROCEDURE

- 2.1 Every Candidate seeking admission to these courses must have passed relevant under graduate degree or an equivalent course recognized from any state/national/international recognized board/ university.
- 2.2 The eligibility criteria for admission in individual course shall be decided by the academic council of the university. The State reservation policy shall be applicable.
- 2.3 The admission to these courses shall be through merit list made on the basis of his/her qualifying degree or through Entrance test/Interview whatever the case may be.
- 2.4 The admission of these courses shall be offered as prescribed by the academic council, at the first semester level. The admission shall be decided by the academic council of the university and the guidelines issued by the UGC and state government shall be adhered to.
- 2.5 Non-resident Indian (NRI), Person of Indian Origin (PIO) and foreign national shall also be eligible for admission to P G Diploma course, provided they have passed under graduate or any other equivalent degree. Admission to such candidate shall be made on the basis of the entrance test conducted by the O P Jindal University.
- 2.6 The University reserves the right to cancel the admission of any student and ask him/her to discontinue his/her studies at any stage of his / her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or misconduct.

3. DURATION OF THE COURSE

- 3.1 Total duration of the P G Diploma courses shall be of 12 months in Engineering stream and 21 months in Management stream.
- 3.2 The academic calendar including semester breaks shall be declared by the respective Dean, of Schools at the beginning of the session with the approval of the Vice Chancellor.
- 3.3 The maximum duration allowed for completing P G Diploma course shall be of 1.5 times of course duration.

- 3.4 If a candidate at any stage of his/her study is found unable to complete it within the said time he/she shall not be allowed to continue the course further.
- 3.5 At the beginning of semester, every student shall have to register him / herself within the duration prescribed in the academic calendar.

4. STRUCTURE OF THE COURSE

The structure of all P G Diploma Courses, Scheme of Examination, Curriculum and Syllabi shall be as prescribed by the Academic Council in this regard.

5. EXAMINATIONS

- 5.1 The University shall adopt the system of continuous evaluation consisting of Progress Review Examination (PRE) during the semester and End Semester Examination (ESE) for assessing the students' performance during the programme of study.
- 5.2 The detailed examination scheme for End Semester Examination (ESE) as well as Progress Review Examination (PRE) for all components of the curriculum shall be laid down by the Academic Council.
- 5.3 A student may be debarred from appearing in the End Semester Examination by the Dean of the School with the approval of Vice Chancellor, due to any of the following reasons:
- 5.3.1 When disciplinary action has been initiated against the said student.
- 5.3.2 On the recommendation of concerned Head of the department, if
- (i) The attendance in the Lecture / Tutorial / Practical classes is below 65% or as provided in clause (7) of attendance, in the semester.
 - (ii) The performance in the Progress Review Examination (PRE) during the Semester has been found unsatisfactory.
- 5.4 The University shall conduct full examination at the end of each semester for the regular students. This examination will also enable those students to appear in the theory / practical courses who may have failed or missed the previous semester examination.
- 5.5 If a candidate has passed a semester examination in full he / she shall **NOT** be permitted to reappear in that examination for improvement in division / marks / grades or for any other purpose.

6. EVALUATION (ASSESSMENT) OF PERFORMANCE

- 6.1 The performance of a candidate in each semester shall be evaluated with the component of the curriculum following the system of continuous evaluation consisting of End Semester Examinations (ESE) and Progress Review Examinations (PRE). The maximum and minimum marks in the composite /final result (ESE+ PRE) of curriculum shall be as per the examination scheme declared by the Academic Council.
- 6.2 To pass (qualify) the particular curriculum a candidate has to score minimum marks in the composite result of that curriculum.
- 6.3 One hour of contact lecture (L) shall be equal to one credit whereas two hours of contact tutorial (T) and / or practical (P) shall be equal to one credit. Thus, $\text{Credit} = \{L + (T+P)/2\}$. Credit in a subject shall be a whole number, not fractional number. If a credit in a subject turns out in fraction, then it shall be rounded up to nearest whole number.
- 6.4 A candidate shall earn the credits allotted to a semester only when he/she passes the said semester.
- 6.5 A candidate shall be eligible for the award of P G Diploma only when he/she earns all the credits allotted to the course in which he/she has taken admission.

7. ATTENDANCE

Candidates appearing as regular students for any semester examination are required to attend at least 65% of the lectures and practical classes held separately in each subject of the course of study, provided that a short fall in attendance up to 5% and a further 5% can be condoned by the Dean of the School and Vice-Chancellor of the University respectively for satisfactory reasons. However, under no condition, a candidate who has an aggregate attendance of less than 55% or the percentage as may be decided by the Academic Council in a semester shall be allowed to appear in the End Semester Examination.

8. PROMOTION TO HIGHER SEMESTERS

A student shall be allowed to carry the backlog of theory/practical subjects of the preceding semester but it will be governed by sub-clause 3.3 of clause 3.

9. CREDIT BASED GRADING SYSTEM

- 9.1 Each course along with its weightage in terms of credits shall be recommended by the concerned Curriculum and Academic Policy Committee and shall be approved by the Academic Council and the Governing Body. Only approved courses can be offered during any semester.

- 9.2 Each student registered for a course, shall be awarded a letter grade. The letter grade awarded to a student shall depend upon his combined performance in the End Semester Examination (ESE) and Progress Review Examination (PRE).

10. FEES

Fees for the course/s shall be as determined by the University and approved by the Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission from time to time.

O P JINDAL UNIVERSITY, RAIGARH (C. G.)

ORDINANCE NO.20

BACHELOR OF EDUCATION (B.Ed.)

1. APPLICABILITY

- 1.1 This ordinance shall be applicable to the candidates admitted to Bachelor Degree courses in Education. The Graduation course in Education leads to the degree of Bachelor of Education (B.Ed.) of the University.
- 1.2 The above courses shall be offered as per the National Council of Teachers Education (NCTE) / University Grants Commission (UGC) / State Government norms, revised from time to time.
- 1.3 The above course shall be of two years degree course and divided into four semesters. Each semester would be approximately of six months duration including vacation/preparatory leave/examination industrial training etc.
- 1.4 Number of seats in each course/s shall be decided by the Board of Management of the university as per the norms laid down by the concerned regulatory body.

2. ELIGIBILITY CRITERIA AND ADMISSION PROCEDURE

As per the guidelines of the concerned regulatory/statutory body, the eligibility criteria for the course shall be:

- 2.1 Every applicant for admission to B.Ed. shall have passed Bachelor's degree or equivalent as prescribed in NCTE norms.
- 2.2 The admission to the B.Ed. course shall be governed by the rules and the criteria set by the Academic Council and as per the norms set out by the relevant statutory body. The State reservation policy shall be applicable.
- 2.3 The admission to the B.Ed. course shall be offered as prescribed by the academic council at the first year level. The University will issue admission notifications in newspapers/on the University's website/notice board of the University etc., before the start of the academic year. The admission will be given on the basis of merit.

- 2.4 Non-Resident Indians (NRI), Persons of Indian Origin (PIO) and Foreign National shall also be eligible for admission to B.Ed. Course, provided they have passed Bachelor Degree Examination or any other equivalent examination. Admission to such candidates shall be made on the basis of the entrance test conducted by the O P Jindal University.
- 2.5 The University may permit a student to B.Ed. Course on transfer from other Institutes/Universities. Such admissions may be made at any level subject to fulfillment of academic requirements of the University in respect of the programme provided that, no student shall be admitted during the first year, under this scheme.
- 2.6 The University reserves the right to cancel the admission of any student and ask him/her to discontinue his/her studies at any stage of his/her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or misconduct.

3. DURATION AND CONDUCTION OF THE COURSE

- 3.1 The duration of the course shall be Two years divided into four equal semesters.
- 3.2 The academic calendar including semester breaks shall be declared by the Dean, School of Education at the beginning of each year with the approval of the Vice Chancellor.
- 3.3 The maximum duration of the course shall be of three years. However, one mercy attempt can be granted to a student by Vice Chancellor which should not be more than one year on satisfactory reason.

4. STRUCTURE OF THE COURSE

The subjects to be studied in different semesters of the courses shall be as per the schemes, approved by the concerned Board of Studies and Academic Council of the University.

5. EXAMINATIONS

- 5.1 The University shall adopt the system of continuous evaluation consisting of Progress Review Examination (PRE) during the semester and End Semester Examination (ESE) for assessing the students' performance during the programme of study.
- 5.2 The detailed examination scheme for End Semester Examination (ESE) as well as Progress Review Examination (PRE) for all components of the curriculum shall be laid down by the Academic Council.

5.3 A student may be debarred from appearing in the End Semester Examination by the Dean of the School with the approval of Vice Chancellor, due to any of the following reasons:

5.3.1 When disciplinary action has been initiated against the said student.

5.3.2 On the recommendation of concerned Head of the department, if

- (i) The attendance in the Lecture/Tutorial/Practical classes is below 65% or as provided in clause (7) of attendance, in the semester.
- (ii) The performance in the Progress Review Examination (PRE) during the Semester has been found unsatisfactory.

5.4 The University shall conduct full examination at the end of each semester for the regular students. This examination will also enable those students to appear in the theory / practical courses who may have failed or missed the previous semesters' examination.

5.5 If a candidate has passed a semester examination in full he/she shall **NOT** be permitted to reappear in that examination for improvement in division/marks /grades or for any other purpose.

6. EVALUATION (ASSESSMENT) OF PERFORMANCE

6.1 The performance of a candidate in each semester shall be evaluated with the component of the curriculum following the system of continuous evaluation consisting of End Semester Examinations (ESE) and Progress Review Examinations (PRE). The maximum and minimum marks in the composite /final result (ESE+PRE) of curriculum shall be as per the examination scheme declared by the Academic Council.

6.2 To pass (qualify) the particular curriculum a candidate has to score minimum marks in the composite result of that curriculum.

6.3 One hour of contact lecture (L) shall be equal to one credit whereas two hours of contact tutorial (T) and / or practical (P) shall be equal to one credit. Thus, $\text{Credit} = \{L + (T+P)/2\}$. Credit in a subject shall be a whole number, not fractional number. If a credit in a subject turns out in fraction, then it shall be rounded up to nearest whole number.

- 6.4 A candidate shall earn the credits allotted to a semester only when he/she passes the said semester.
- 6.5 A candidate shall be eligible for the award of degree of B. Ed., only when he/she earns all the credits allotted to the course in which he/she has taken admission.

7. ATTENDANCE

Candidates appearing as regular students for any semester examination are required to attend at least 65% of the lectures and practical classes held separately in each subject of the course of study, provided that a short fall in attendance up to 5% and a further 5% can be condoned by the Dean of the School and Vice-Chancellor of the University respectively for satisfactory reasons. However, under no condition, a candidate who has an aggregate attendance of less than 55% or the percentage as may be decided by the Academic Council in a semester shall be allowed to appear in the End Semester Examination.

8. PROMOTION TO HIGHER SEMESTERS

A student shall be allowed to carry the backlog of theory/practical subjects of the preceding semester for admission to any higher semester.

9. CREDIT BASED GRADING SYSTEM

- 9.1 Each course along with its weightage in terms of credits shall be recommended by the concerned Curriculum and Academic Policy Committee and shall be approved by the Academic Council and the Governing Body. Only approved courses can be offered during any semester.
- 9.2 Each student registered for a course, shall be awarded a letter grade. The letter grade awarded to a student shall depend upon his combined performance in the End Semester Examination (ESE) and Progress Review Examination (PRE).

10. FEES

Fees for the course/s shall be as determined by the University and approved by the Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission from time to time.

O P JINDAL UNIVERSITY, RAIGARH (C. G.)

ORDINANCE NO. 21

MASTER OF EDUCATION (M.Ed.)

1. APPLICABILITY

- 1.1 This ordinance shall be applicable to the candidates admitted to Master Degree course in Education. This Post-Graduation course in Education leads to the degree of Master of Education (M.Ed.) of the University.
- 1.2 The above courses shall be offered as per the National Council of Teachers Education (NCTE)/University Grants Commission (UGC)/State Government of Chhattisgarh norms, revised from time to time.
- 1.3 The above programme shall be of two years degree course and divided into four semesters. Each semester would be approximately of six months duration including vacation/preparatory leave/examination industrial training etc.
- 1.4 Number of seats in each course/s shall be decided by the Board of Management of the university as per the norms laid down by the concerned regulatory body.

2. ELIGIBILITY CRITERIA AND ADMISSION PROCEDURE

As per the guidelines of the concerned regulatory/statutory body, the eligibility criteria for the course shall be:

- 2.1 The eligibility criteria for admission to the first year of M.Ed. course will be B.Ed./B.A., B.Ed./B.Sc., B.Ed./B.El. Ed. with an undergraduate degree with percentage marks as per NCTE guidelines.
- 2.2 The admission to the M.Ed. course shall be governed by the rules and the criteria set by the Academic Council and as per the norms set out by the relevant statutory body. The State reservation policy shall be applicable.
- 2.3 The admission to the M.Ed. course shall be offered as prescribed by the academic council at the first year level. The University will issue admission notifications in newspapers/on the University's website/notice board of the University etc., before the start of the academic year. The admission will be given on the basis of merit.

- 2.4 Non-Resident Indians (NRI), Persons of Indian Origin (PIO) and Foreign National shall also be eligible for admission to M.Ed. Course, provided they have passed B.Ed. Examination or any other equivalent examination. Admission to such candidates shall be made on the basis of the entrance test conducted by the O P Jindal University.
- 2.5 The University may permit a student to M.Ed. Course on transfer from other Institutes/Universities. Such admissions may be made at any level subject to fulfillment of academic requirements of the University in respect of the programme provided that, no student shall be admitted during the first year, under this scheme.
- 2.6 The University reserves the right to cancel the admission of any student and ask him/her to discontinue his/her studies at any stage of his/her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or misconduct.

3. DURATION AND CONDUCTION OF THE COURSE

- 3.1 The duration of the course shall be Two years divided into four equal semesters.
- 3.2 The academic calendar including semester breaks shall be declared by the Dean, School of Education at the beginning of each year with the approval of the Vice Chancellor.
- 3.3 The maximum duration of the course shall be of three years. However, one mercy attempt can be granted to a student by Vice Chancellor which should not be more than one year on satisfactory reason.

4. STRUCTURE OF THE COURSE

The subjects to be studied in different semesters of the courses shall be as per the schemes, approved by the concerned Board of Studies and Academic Council of the University.

5. EXAMINATIONS

- 5.1 The University shall adopt the system of continuous evaluation consisting of Progress Review Examination (PRE) during the semester and End Semester Examination (ESE) for assessing the students' performance during the programme of study.
- 5.2 The detailed examination scheme for End Semester Examination (ESE) as well as Progress Review Examination (PRE) for all components of the curriculum shall be laid down by the Academic Council.

5.3 A student may be debarred from appearing in the End Semester Examination by the Dean of the School with the approval of Vice Chancellor, due to any of the following reasons:

5.3.1. When disciplinary action has been initiated against the said student.

5.3.2. On the recommendation of concerned Head of the department, if

- (i) The attendance in the Lecture/Tutorial/Practical classes is below 65% or as provided in clause (7) of attendance, in the semester.
- (ii) The performance in the Progress Review Examination (PRE) during the Semester has been found unsatisfactory.

5.4 The University shall conduct full examination at the end of each semester for the regular students. This examination will also enable those students to appear in the theory / practical courses who may have failed or missed the previous semesters' examination.

5.5 If a candidate has passed a semester examination in full he/she shall **NOT** be permitted to reappear in that examination for improvement in division/marks /grades or for any other purpose.

6. EVALUATION (ASSESSMENT) OF PERFORMANCE

6.1 The performance of a candidate in each semester shall be evaluated with the component of the curriculum following the system of continuous evaluation consisting of End Semester Examinations (ESE) and Progress Review Examinations (PRE). The maximum and minimum marks in the composite /final result (ESE+PRE) of curriculum shall be as per the examination scheme declared by the Academic Council.

6.2 To pass (qualify) the particular curriculum a candidate has to score minimum marks in the composite result of that curriculum.

6.3 One hour of contact lecture (L) shall be equal to one credit whereas two hours of contact tutorial (T) and / or practical (P) shall be equal to one credit. Thus, $\text{Credit} = \{L + (T+P)/2\}$. Credit in a subject shall be a whole number, not fractional number. If a credit in a subject turns out in fraction, then it shall be rounded up to nearest whole number.

6.4 A candidate shall earn the credits allotted to a semester only when he/she passes the said semester.

- 6.5 A candidate shall be eligible for the award of degree of M. Ed., only when he/she earns all the credits allotted to the course in which he/she has taken admission.

7. ATTENDANCE

Candidates appearing as regular students for any semester examination are required to attend at least 65% of the lectures and practical classes held separately in each subject of the course of study, provided that a short fall in attendance up to 5% and a further 5% can be condoned by the Dean of the School and Vice-Chancellor of the University respectively for satisfactory reasons. However, under no condition, a candidate who has an aggregate attendance of less than 55% or the percentage as may be decided by the Academic Council in a semester shall be allowed to appear in the End Semester Examination.

8. PROMOTION TO HIGHER SEMESTERS

A student shall be allowed to carry the backlog of theory/practical subjects of the preceding semester for admission to any higher semester.

9. CREDIT BASED GRADING SYSTEM

- 9.1 Each course along with its weightage in terms of credits shall be recommended by the concerned Curriculum and Academic Policy Committee and shall be approved by the Academic Council and the Governing Body. Only approved courses can be offered during any semester.
- 9.2 Each student registered for a course, shall be awarded a letter grade. The letter grade awarded to a student shall depend upon his combined performance in the End Semester Examination (ESE) and Progress Review Examination (PRE).

10. FEES

Fees for the course/s shall be as determined by the University and approved by the Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission from time to time.

O P JINDAL UNIVERSITY, RAIGARH (C. G.)**ORDINANCE NO.22****DIPLOMA IN ENGINEERING****1. APPLICABILITY**

- 1.1 This ordinance shall be applicable to the candidates admitted to Diploma courses in Engineering/Technology. The course shall include the branches related to all the departments of the School of Engineering of the University. The details of the subjects along with the department are furnished below:

| S. No. | Department | Subjects |
|---------------|--------------------------------|--|
| 1 | Mechanical Engineering | 1. Mechanical Engineering 2. Automobile Engineering 3. Aircraft maintenance Engineering 4. Aeronautical Engineering |
| 2 | Civil Engineering | 1. Civil Engineering 2. Environmental Engineering |
| 3 | Electrical Engineering | 1. Electrical Engineering |
| 4 | Mining Engineering | 1. Mining Engineering |
| 5 | Metallurgical Engineering | 1. Metallurgical Engineering |
| 6 | Computer Science & Engineering | 1. Computer Science & Engineering 2. Computer Engineering and Application 3. Cloud Technology & Information Securities |

- 1.2 The above courses shall be offered as per the All India Council of Technical Education (AICTE)/University Grants Commission (UGC) norms, revised from time to time.
- 1.3 The above courses shall be of three years diploma course and divided into six semesters. Each semester would be approximately of six months duration including vacation/preparatory leave/examination industrial training, etc.
- 1.4 Number of seats in each course/s shall be decided by the Board of Management as per the norms laid down by the concerned regulatory body.

2. ELIGIBILITY CRITERIA AND ADMISSION PROCEDURE

Following are the eligibility criteria as per the guidelines of concerned regulatory/statutory body, the eligibility norms in the course shall be:

- 2.1 Every applicant for admission to Diploma in Engineering/Technology shall have passed 10th Class from a recognized board.
- 2.2 The candidate both ITI and equivalent qualification in relevant branch will be eligible for the admission to 3rd semester of the respective Diploma Course.
- 2.3 The admission to the Diploma in Engineering/Technology course shall be governed by the rules and the criteria set by the Academic Council and as per the norms set out by the relevant statutory body. The State reservation policy shall be applicable.
- 2.4 The admission to the Diploma in Engineering/Technology course shall be offered as prescribed by the academic council at the first year level. The University will issue admission notifications in newspapers/on the University's website/notice board of the University etc., before the start of the academic year. The University may conduct its own entrance examination for admission. The students may also secure direct admission in the University. The admission will be given on the basis of merit.
- 2.5 Non-Resident Indians (NRI), Persons of Indian Origin (PIO) and Foreign National shall also be eligible for admission to Diploma Course, provided they have passed 10th Class Examination or any other equivalent examination. Admission to such candidates shall be made on the basis of the entrance test conducted by the O P Jindal University.
- 2.6 The University may permit a student to Diploma Course on transfer from other Institutes/Universities. Such admissions may be made at any level subject to fulfillment of academic requirements of the University in respect of the programme provided that, no student shall be admitted during the first year, under this scheme.
- 2.7 The University reserves the right to cancel the admission of any student and ask him/her to discontinue his/her studies at any stage of his/her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or misconduct.

3. DURATION AND CONDUCTION OF THE COURSE

- 3.1 The duration of the course shall be Three years divided into six equal semesters.
- 3.2 The academic calendar including semester breaks shall be declared by the Dean/Head, School of Engineering at the beginning of each year with the approval of the Vice Chancellor.

- 3.3 The maximum duration of the course shall be of five years. However, one mercy attempt can be granted to a student by Vice Chancellor which should not be more than one year on satisfactory reason.

4. STRUCTURE OF THE COURSE

The subjects to be studied in different semesters of the courses shall be as per the schemes, approved by the concerned Board of Studies and Academic Council of the University.

5. EXAMINATIONS

- 5.1 The University shall adopt the system of continuous evaluation consisting of Progress Review Examination (PRE) during the semester and End Semester Examination (ESE) for assessing the students' performance during the programme of study.
- 5.2 The detailed examination scheme for End Semester Examination (ESE) as well as Progress Review Examination (PRE) for all components of the curriculum shall be laid down by the Academic Council.
- 5.3 A student may be debarred from appearing in the End Semester Examination by the Dean of the School with the approval of Vice Chancellor, due to any of the following reasons:
- 5.3.1 When disciplinary action has been initiated against the said student.
- 5.3.2 On the recommendation of concerned Head of the department, if
- (i) The attendance in the Lecture / Tutorial / Practical classes is below 65% or as provided in clause (7) of attendance, in the semester.
 - (ii) The performance in the Progress Review Examination (PRE) during the Semester has been found unsatisfactory.
- 5.4 The University shall conduct full examination at the end of each semester for the regular students. This examination will also enable those students to appear in the theory / practical courses who may have failed or missed the previous semesters' examination.
- 5.5 If a candidate has passed a semester examination in full he / she shall **NOT** be permitted to reappear in that examination for improvement in division / marks / grades or for any other purpose.

6. EVALUATION (ASSESSMENT) OF PERFORMANCE

- 6.1 The performance of a candidate in each semester shall be evaluated with the component of the curriculum following the system of continuous evaluation consisting of End Semester Examinations (ESE) and Progress Review Examinations (PRE). The maximum and minimum marks in the composite /final result (ESE+ PRE) of curriculum shall be as per the examination scheme declared by the Academic Council.
- 6.2 To pass (qualify) the particular curriculum a candidate has to score minimum marks in the composite result of that curriculum.
- 6.3 One hour of contact lecture (L) shall be equal to one credit whereas two hours of contact tutorial (T) and / or practical (P) shall be equal to one credit. Thus, $\text{Credit} = \{L + (T+P)/2\}$. Credit in a subject shall be a whole number, not fractional number. If a credit in a subject turns out in fraction, then it shall be rounded up to nearest whole number.
- 6.4 A candidate shall earn the credits allotted to a semester only when he/she passes the said semester.
- 6.5 A candidate shall be eligible for the award of Diploma only when he/she earns all the credits allotted to the course in which he/she has taken admission.

7. ATTENDANCE

Candidates appearing as regular students for any semester examination are required to attend at least 65% of the lectures and practical classes held separately in each subject of the course of study, provided that a short fall in attendance up to 5% and a further 5% can be condoned by the Dean of the School and Vice-Chancellor of the University respectively for satisfactory reasons. However, under no condition, a candidate who has an aggregate attendance of less than 55% or the percentage as may be decided by the Academic Council in a semester shall be allowed to appear in the End Semester Examination.

8. PROMOTION TO HIGHER SEMESTERS

A student shall be allowed to carry the backlog of theory/practical subjects of the preceding semester but it will be governed by sub-clause 3.3 of clause 3.

9. CREDIT BASED GRADING SYSTEM

- 9.1 Each course along with its weightage in terms of credits shall be recommended by the concerned Curriculum and Academic Policy Committee and shall be approved by the Academic Council and the Governing Body. Only approved courses can be offered during any semester.
- 9.2 Each student registered for a course, shall be awarded a letter grade. The letter grade awarded to a student shall depend upon his combined performance in the End Semester Examination (ESE) and Progress Review Examination (PRE).

10. FEES

Fees for the course/s shall be as determined by the University and approved by the Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission from time to time.
